University in News on 10 August 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एमएससी जूलॉजी, एमए उर्दू का परीक्षा कार्यक्रम संशोधित

परीक्षाएं अब 16 से प्रस्तावित

लखनऊ। लविवि ने एमएससी जूलॉजी, एमए उर्दू, एमए-एमएससी स्टेटिसटिक्स का परीक्षा कार्यक्रम संशोधित किया है। इनकी परीक्षाएं अब 16 अगस्त से होंगी। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार एमएससी जुलॉजी चौथे सेमेस्टर (नियमित, छूटे छात्रों व बैक पेपर) व एमएससी जूलॉजी चौथे सेमेस्टर (ओल्ड कोर्स) की परीक्षाएं 16 से 22 अगस्त तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी।

इसी क्रम में एमए-एमएससी स्टेटिसटिक्स दूसरे सेमेस्टर (नियमित, बैक पेपर, छूटे छात्रों, इंप्रूवमेंट) की परीक्षाएं 22 से 31 अगस्त तक और एमए-एमएससी स्टेटिसटिक्स चौथे सेमेस्टर (नियमित, बैक पेपर, छूटे छात्रों, इंप्रूवमेंट) की परीक्षाएं 20 से 27 अगस्त तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होंगी। वहीं, एमए उर्दू चौथे सेमेस्टर (नियमित, बैक पेपर, छूटे छात्रों, इंप्रूवमेंट) की परीक्षाएं 16 से 26 अगस्त तक सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

एनईपी में लविवि को मिली उत्तर जोन की जिम्मेदारी

यूपी-उत्तराखंड में कार्यशालाओं का कराएगा आयोजन, विवि में आज होगा विमर्श कार्यशाला का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) नई दिल्ली को विद्यालयीय शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा तैयार करने का दायित्व सौंपा है। इसके लिए विभिन्न नागरिक समूहों के साथ पूरे देश में कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। पूरे देश को विभिन्न जोन में बांटकर ये कार्यशालाएं होनी हैं।

इस क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय को उत्तर जोन-2 की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसका क्षेत्र पूरा उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। इसी कड़ी में बुधवार को लविवि के शिक्षा शास्त्र विभाग में एक विमर्श कार्यशाला होगी। इसमें पांच विवि के कुलपति, कई शैक्षिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं व उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य शिरकत करेंगे।

उन्होंने बताया कि विमर्श के बाद जो सुझाव मिलेंगे उन्हें एनसीईआरटी को भेजा जाएगा, ताकि उसके अनुरूप विद्यालयीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा सके। यह एक काफी महत्वपूर्ण कार्यशाला है, जिसमें विद्यालयीय शिक्षा से जुड़े सभी लोग शिक्षा में सुधार के लिए अपने सुझाव देंगे, ताकि नई शिक्षा नीति का अनुपालन सही प्रकार से हो सके।

यूजी चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से

लखनऊ। लविवि में स्नातक छठे व चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 10 अगस्त से शुरू हो रही हैं। पहले दिन बीए ऑनर्स इंग्लिश, राजनीति विज्ञान, फ्रेंच, फंक्शनल हिंदी, उर्दू आदि की परीक्षाएं होंगी। वहीं, बीएससी चौथे सेमेस्टर, बीएससी होम साइंस की परीक्षाएं भी इसी के साथ शुरू हो रही हैं। बीकॉम चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं पहले से ही शुरू हैं। परीक्षाएं कोर्स वाइज दो पालियों में होंगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 5

एमए, एमएससी परीक्षा कार्यक्रम बदला

लखनऊ। एलयू पीजी सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया है। एमए-एमएससी स्टेटिस्टिक चतुर्थ सेमेस्टर, एमए उर्दू चतुर्थ सेमेस्टर और एमएससी जूलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा तिथियां बदल दी गई हैं। एमए एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा अब यह 23, 25 और 27 अगस्त को होगी।

i-NEXT PAGE 4

एमए, एमएससी की परीक्षाओं की तिथियां बदलीं

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पोस्ट ग्रेजुएट के विभिन्न पाठ्यक्रमों की डेट में बदलाव कर दिया है. अब एमए उर्दू चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 से 26 अगस्त, एमएससी जूलाजी चौथे सेमेस्टर और ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं 16 से 22 अगस्त को होंगी. वही, एमए-एमएससी सांख्यिकी दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 22 से 31 अगस्त, चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 23 से 30 अगस्त तक संचालित की जाएंगी. एमए-एमएससी सांख्यिकी, एमए उर्दू की चौथे सेमेस्टर की परीक्षाओं का समय सुबह नौ से 12 बजे तक रहेगा. वही, एमएससी जूलाजी चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी.

बीए, बीएससी के चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से

LUCKNOW : एलयू की बीए आनर्स (इंग्लिश), बीए आनर्स (पालिटिकल साइंस) व बीएससी चौथे सेमेस्टर के विभिन्न विषयों की परीक्षाएं बुधवार से शुरू होंगी. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जारी परीक्षा कार्यक्रम के मुताबिक, बीए आनर्स (इंग्लिश) दूसरे और चौथे सेमेस्टर और बीए आनर्स (पॉलिटिकल साइंस) चौथे सेमेस्टर की परीक्षा दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी. वही, बीए चौथे सेमेस्टर में फ्रेंच, फंग्शनल संस्कृत, उर्दू, संस्कृत पेपर-1 और बीएससी चौथे सेमेस्टर में जूलाजी, जेनेटिक्स एवं जिनोमिक्स पेपर-1 की परीक्षा की शुरुआत भी होगी. इसका समय दोपहर दो से 3.30 बजे तक रहेगा.

JAGRAN CITY PAGE III

आज से बीए व बीएससी चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की बीए आनर्स (इंग्लिश), बीए आनर्स (पालिटिकल साइंस) व बीएससी चौथे सेमेस्टर के विभिन्न विषयों की परीक्षाएं बुधवार से शुरू होंगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी परीक्षा कार्यक्रम के मुताबिक बीए आनर्स (इंग्लिश) दूसरे और चौथे सेमेस्टर और बीए आनर्स (पालिटिकल साइंस) चौथे सेमेस्टर की परीक्षा दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी। वहीं, बीए चौथे सेमेस्टर में फ्रेंच, फंग्शनल संस्कृत, उर्दू, संस्कृत पेपर-1 और बीएससी चौथे सेमेस्टर में जूलाजी, जेनेटिक्स एवं जिनोमिक्स पेपर-1 की परीक्षा की शुरुआत भी होगी। इसका समय दोपहर दो से 3.30 बजे तक रहेगा।

PIONEER PAGE 3

यूपी और उत्तराखंड के लिए नेशनल सलेबस तैयार करेगा लविवि

● विमर्श कार्यशाला में पांच विवि के कुलपति सहित शिक्षाविद् लेंगे भाग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई शिक्षा नीति 2020 को पूर्णतया लागू करने हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली को विद्यालयी शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा को तैयार करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय को भी उत्तर जोन 2 की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। जिसका क्षेत्र सम्पूर्ण उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड राज्य है। नई शिक्षा नीति 2020 हेतु विभिन्न नागरिक समाज समूहों के साथ पूरे देश में अनेक विमर्श कार्यशालायें आयोजित करने की तैयारी है। पूरे देश को विभिन्न ज़ोन में बाँटकर ये कार्यशालायें आयोजित की जानी है। जिम्मेदारी मिलने के बाद बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में एक विमर्श कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में पाँच विश्वविद्यालयों के कुलपति, अनेक शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थायें, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थायें, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थानों के प्रधानाचार्य इत्यादि शामिल होंगे। एकदिवसीय गहन विचार विमर्श के पश्चात जो सुझाव प्राप्त होंगे उन्हें एनसीइआरटी को भेजा जायेगा, ताकि उसके अनुरूप विद्यालयी पाठ्यक्रम की रुपरेखा तैयार की जा सके। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यशाला है जिसमें विद्यालयी शिक्षा से जुड़े सभी लोग अपनी- अपनी अपेक्षाओं, शिक्षा में सुधार हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत करेंगे ताकि नई शिक्षा नीति-2020 का अनुपालन सही प्रकार से सुनिश्चित किया जा सकें।

VoL PAGE 3

लविवि में एनईपी की कार्यशाला आज

लखनऊ। विवि को नई शिक्षा नीति 2020 को पूर्णतया लागू करने के लिए शिक्षा मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद को विद्यालयी शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा को तैयार करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि को भी उत्तर जोन दो की जिम्मेदारी सौंपी गयी है, जिसका क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य है। यह एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है और इसी कड़ी में 10 अगस्त लविवि के शिक्षा शास्त्र विभाग में एक विमर्श कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव

अमृत विचार संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पीजी सेमेस्टर के परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव हुआ है। एमए-एमएससी स्टेटिस्टिक चतुर्थ सेमेस्टर, एमए उर्दू चतुर्थ सेमेस्टर और एमएससी जूलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा तिथियां बदल दी गई हैं। एमए एमएससी स्टेटिस्टिक चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा पहले 20 अगस्त से शुरू होकर 27 अगस्त को खत्म होनी थी। अब यह 23, 25 और 27 अगस्त को होगी। कोर विषय की परीक्षा 30 अगस्त को होगी। द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम 22 अगस्त से 31 अगस्त तक होगी। एमससी जूलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 16, 18 और 20 अगस्त को प्रस्तावित थीं। ये अब 16, 19 और 22 अगस्त को होंगी। एमए उर्दू चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा 13 अगस्त से प्रस्तावित थी और 24 अगस्त को खत्म होनी थी। ये परीक्षाएं अब 16 अगस्त से शुरू होंगी और 26 अगस्त को खत्म होंगी।

AMRIT VICHAR PAGE 2 & 4

आदेश | दोनो राज्यों के विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति के तहत पद्यक्रमों की रूप रेखा होगी तैयार

यूपी व उत्तराखंड की जिम्मेदारी निभायेगा लविवि

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। नैक से ए डबल प्लस मिलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय की जिम्मेदारियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की ओर से नई शिक्षा नीति को लेकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय को अब उत्तर प्रदेश के साथ-साथ उत्तराखंड के सभी विश्वविद्यालयों में पूर्ण रूप से नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या की रूप रेखा तैयार करने का उत्तर दायित्व सौंपा गया है। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। बता दें कि नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश भर में सबसे पहला उच्च शिक्षण संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय बना था। कड़ी चुनौतियों के बीच कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने जिस तरह इसे एक चैलेंज के रूप में लिया उसको काफी हद तक जमीनी स्तर पर अंजाम तक भी पहुंचाया। अब अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी प्रोफेसर आलोक राय को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

चर्चा के बाद सुझाव पर होगा अमल

एकदिवसीय गहन विचार विमर्श के पश्चात जो सुझाव प्राप्त होंगे उन्हें एन.सी.इ.आर.टी. को प्रेषित किया जायेगा, ताकि उसके अनुरूप विद्यालयी पाठ्यक्रम की रुपरेखा तैयार की जा सके। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यशाला है जिसमें विद्यालयी शिक्षा से जुड़े सभी लोग अपनी-अपनी अपेक्षाओं, शिक्षा में सुधार हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत करेंगे ताकि नई शिक्षा नीति-2020 का अनुपालन सही प्रकार से सुनिश्चित किया जा सकें।

कार्यशाला में शामिल होंगे पांच कुलपति

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से नागरिक समाज समूहों के साथ नई शिक्षा नीति लेकर कार्यशालाओं का आयोजन कराना होगा। कार्यशाला मे पांच कुलपति शामिल होंगे। जो इस बात पर चर्चा करेंगे कि नई शिक्षा नीति के तहत कैसे पाठ्यक्रम होंगे और कैसे हर दिन पढ़ाई का शेड्यूल होगा। विश्वविद्यालय के यह एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है और इसी कड़ी में कल लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग में एक विमर्श कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में पांच विश्वविद्यालयों के कुलपति, अनेक शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थायें, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाएं, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थानों के प्रधानाचार्य इत्यादि प्रतिभाग कर रहे हैं।